सचिवालय से अलग होगा पुलिस मुख्यालय

पटना हिन्दुस्तान ब्यूरो

राज्य सचिवालय से अब पुलिस मुख्यालय अलग होगा। बेली रोड पर मुख्यालय की अपनी बिल्डिंग होगी। स्टेट ऑफ आर्ट और अत्याधुनिक। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रस्तावित पुलिस मुख्यालय भवन को सैद्धांतिक सहमति दे दी है।

बेली रोड पर गोल्फ क्लब के सामने करीब सात एकड़ जमीन पर प्रस्तावित नए मुख्यालय भवन की खासियत यह होगी कि वहां एक ही छत के नीचे डीजीपी से लेकर पुलिस के सभी विंग के दफ्तर होंगे। जहां प्रस्तावित पुलिस मुख्यालय बनना है वहां फिलहाल पुलिस की एटीएस बिल्डिंग व वायरलेस ऑफिस सहित अन्य भवन है। सभी परिसरों को मिलाकर करीब सात एकड़ जमीन है जो पीछे तक फैली है। डीजीपी अभयानंद के प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री सोमवार को सुबह करीब 9 बजे एटीएस भवन पहुंच गए। उन्होंने चप्पे-चप्पे का निरीक्षण किया। जमीन के नक्शे को देखा और नए पुलिस मुख्यालय भवन के निर्माण को सैद्धांतिक सहमति दे दी। इधर डीजीपी अभयानंद ने कहा कि करीब पांच-छह साल पहले ही यह कांसेप्ट आया था कि ऑपरेशनल जरूरतों के लिहाज से पुलिस मुख्यालय की अपनी बिल्डिंग होनी चाहिए। ताकि क्राइसिस के दौरान बेहतर समन्वय स्थापित कर काम किया जा सके। इसके लिए पुलिस की सभी विंग को एक छत के नीचे लाना जरूरी है। इसको ध्यान में रखकर उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया था। इधर माना जा रहा है कि सब कुछ ठीक-ठाक चलता रहा तो अलगे ढाई साल में बेलीरोड पर नया पुलिस मुख्यालय खड़ा हो जाएगा।

हेलीपेड से होगा लैस

ग्राफिक्स : रीतेश

एक ही छत के नीचे डीजीपी से लेकर पुलिस के सभी विंग के होंगे दफ्तर

• बेलीरोड पर गोल्फ क्लब के सामने होगी भव्य बिल्डिंग • निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री ने दी सैद्धांतिक सहमति

क्या होगा खास

1. डीजीपी के अलावा सीआईडी, स्पेशल ब्रांच, रेल पुलिस, खुफिया विंग, वायरलेस सहित सभी विंग के कार्यालय एक ही बिल्डिंग में होंगे।

2. भवन पूरी तरह ऑपरेशनल होगा। यानी क्राइसिस के समय में भवन में सभी विंग के अधिकारी बैठकर पूरे ऑपरेशन को मॉनिटर कर सकेंगे। जीपीएस सिस्टम से यह देखा और पता लगाया जा सकेगा कि जिलों के एसपी कहां हैं पुलिस की गाड़ियां कहां मूव कर रही हैं। ऑपरेशन के दौरान उन्हें कहां से और कैसे मूव कराया जाए।

3. चार मंजिले भवन के ऊपर हेलीपेड तक की व्यवस्था होगी। जरूरत पड़ने पर कमांडो की टीम पुलिस मुख्यालय की छत से ही उड़ान भर सकेगी।